The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 4 | Issue 6 | June 2026
ISSN: 2583-973X (Online), SJIF IF(2026): 5.6
Website: www.theacademic.in

युवाओं पर सोशल मीडिया के प्रभाव का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (उत्तराखंड राज्य के जिला नैनीताल के हल्द्वानी शहर के संदर्भ में)

डॉ. अर्शी अंसारी

(पीएच.डी) समाजशास्त्र विभाग, एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी, नैनीताल

Email ID- arshirani014@gmail.com

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.21444421

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Received: 15-05-2026

Accepted: 22-06-2026

Published: 15-07-2026

Keywords:

सोशल मीडिया व संचार के माध्यम, सोशल नेटवर्किंग, युवा पीढ़ी और प्रभाव।

ABSTRACT

सोशल मीडिया एक ऐसा ऑनलाइन मंच है जो एक समूह या समुदाय को दूसरे समूह या समुदाय से जोड़ने में योगदान देता है। वर्तमान समय में नई युवा पीढ़ी के बीच सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया व्हाट्सएप, फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम आदि प्रसिद्ध सोशल मीडिया है। जो युवाओं के जीवन का महत्वपूर्ण अंग बन गये है जिसके द्वारा वे सामाजिक अंतः क्रिया करने लगे हैं। वर्तमान समय में सोशल मीडिया का उपयोग किए बिना हमारा जीवन असंभव प्रतीत होता है। आजकल के युवा, किशोर वर्ग या व्यस्क लोग भी देर रात तक सोशल मीडिया पर घंटों तक समय बिताते हैं। सोशल मीडिया नेटवर्क हमारे समाज पर नकारात्मक और सकारात्मक दोनों तरह के प्रभाव डालता है। आज सोशल मीडिया संचार के साधन के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह शोध पत्र उत्तराखंड राज्य के जिला नैनीताल के हल्द्वानी शहर के संदर्भ में युवाओं पर किए गए सर्वेक्षण का एक परिणाम है। अच्छी तरह से संरचित प्रश्नावली वितरित करके सुविधापूर्ण नमूनाकरण पद्धति के उपयोग द्वारा 50 उत्तरदातों का नमूना आकार प्राप्त किया गया तथा अध्ययन का दायरा युवाओं तक सीमित था। यह लेख सोशल मीडिया के उपयोग के पैटर्न और युवाओं पर पड़ने वाले नकारात्मक और सकारात्मक प्रभाव की समीक्षा करता है।

Disclaimer: The opinions, interpretations, conclusions, recommendations, analyses, and statements expressed in this research article are solely those of the author(s) and do not reflect the views, policies, or positions of the Publisher, Chief Editor, Editors, Editorial Board, Reviewers, or their affiliated institutions. The author(s) are solely responsible for ensuring the originality, authenticity, and integrity of the manuscript and for ensuring that it is free from plagiarism, AI-generated content, copyright infringement, data falsification, and any other form of academic misconduct.

प्रस्तावना :

सोशल मीडिया व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, लिंकडइन, पिंटरेस्ट, माइस्पेस साउंडक्लाउड और ऐसे ही अन्य वेबसाइटों को संदर्भित करता है, जो युवाओं को विचार विमर्श, सृजन व सहयोग करने तथा टेक्स्ट, इमेज ऑडियो और वीडियो को जानकारी के रूप में साझा करने और उसे परिष्कृत करने की योग्यता और सुविधा प्रदान करता है। और वे कुछ ही सेकंड के भीतर देश के किसी भी कोने में अपने विचारों को व्यक्त कर सामाजिक संबंधों की स्थापना करने लगे हैं। सोशल मीडिया ने हमारे रहने, सोने, बाजार से वस्तु खरीदने के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। इसके साथ ही साथ सोशल मीडिया उपकरण देश विदेश की विभिन्न भाषाओं को सीखने के अवसर और अपने विचारों को व्यक्त करने का बेहतर तरीका प्रदान करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा विभिन्न संस्कृति के लोग देश विदेश के विभिन्न मुद्दों या घटनाओं पर बात कर सकते हैं और अन्य देशों के बारे में जानकारी भी खोज सकते हैं।

'मीडिया संचार का एक ऐसा माध्यम है जिसकी लोगों तक व्यापक पहुंच व प्रभाव है लोकतांत्रिक देश में मीडिया को चौथा स्तंभ माना जाता है। यह युवाओं के नैतिक और सामाजिक मूल्यों के साथ युवाओं की जीवन शैलियों व विचारों को भी प्रभावित कर रहा है।'

राष्ट्रीय युवा नीति (NYP)– 2014 में 'युवाओं' को 15–29 वर्ष के आयु वर्ग के रूप में परिभाषित किया गया है। युवा और छात्र सीखने, मनोरंजन और नवाचार जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोशल मीडिया से संबंधित उपकरणों जैसे हाथ में रखे जाने वाले मोबाइल उपकरणों जैसे स्मार्टफोन और टैबलेट्स की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है और इसके द्वारा न केवल अति संवेदनशील और युवा दिलों को प्रभावित करने वाली अनुचित सामग्री आसानी से उपलब्ध रही है। बल्कि इसके द्वारा युवा वर्ग के मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है और वे गलत संगत में पड़कर अनुचित साधन प्रयोग में लाकर कई निंदनीय घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। साइबर पुलिंग, साइबर स्टॉकिंग, अफवाहें फैलाना जैसे दुष्कर्म इन भयावह घटनाओं के मामूली नमूने हैं।

वर्तमान समय में अत्यधिक उपयोग में लाए जाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म निम्न है।

फेसबुक– यह 3 अरब से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जो फोटो, वीडियो साझा करने और सामुदायिक जुड़ाव के लिए प्रसिद्ध है।

(यु–ट्यूब)– एक वीडियो शेयरिंग प्लेटफार्म है जो शैक्षिक मनोरंजन और ट्यूटोरियल वीडियो साझा करने के लिए उपयोग किया जाता है।

इंस्टाग्राम– इंस्टाग्राम विशेषकर युवाओं के बीच फोटो और रील शेयरिंग के लिए बहुत ही लोकप्रिय प्लेटफार्म है।

स्नैपचैट– युवा दर्शकों के बीच लोकप्रिय जो फोटो और छोटे वीडियो (स्नैप) साझा करने के लिए जाना जाता है।

ट्विटर– ट्विटर एक माइक्रो ब्लॉगिंग सोशल प्लेटफॉर्म है, जो वास्तविक समय समाचार, अपडेट और संक्षिप्त चर्चाओं के लिए उपयोग किया जाता है।

लिंकडइन– यह एक पेशेवर नेटवर्किंग और नौकरी की तलाश के लिए सबसे अच्छा मंच है।

पिंटरेस्ट– यह एक सोशल मीडिया के बजाय योजना बनाने और खरीदने के लिए और एक इंजन के रूप में काम कर रहा है।

व्हाट्सएप– मेटा के स्वामित्व में यह दुनिया के सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग एप्स में से एक है। जिसकी मदद से किसी अन्य व्यक्ति के साथ बात कर सकते हैं और वीडियो, फोटो शेयर कर सकते हैं।

क्यूरा– यह मुख्य रूप से एक पब्लिक क्वेश्चन प्लेटफार्म है जिसके ऊपर जाकर अपने किसी भी प्रकार के प्रश्न अपलोड कर सकते हैं और लोग उसका उत्तर देते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य युवाओं पर सोशल मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण करना है।

- सोशल मीडिया के प्रति युवाओं का दृष्टिकोण जानना।
- सोशल मीडिया का युवाओं पर पड़ने वाले सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों का विश्लेषण करना।

अनुसंधान पद्धति :

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक व गुणात्मक शोध पद्धति का उपयोग किया गया है जो एक समूह या व्यक्ति की सोशल मीडिया के बारे में उनकी धारणा और युवाओं पर इसके प्रभाव का वर्णन करता है।

डेटा के स्रोत :

प्रस्तुत शोध पत्र में संरचित प्रश्नावली के द्वारा युवाओं से प्राथमिक डाटा एकत्रित किया गया है। विभिन्न लेखों व पत्रिकाओं से द्वितीय तथ्यों को एकत्र किया गया है। प्रस्तुत शोध में 50 युवाओं से अध्ययन से संबंधित सूचनाओं को एकत्रित किया गया है।

सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव

- **अभिव्यक्ति और नवाचार–** यह युवाओं को अपनी प्रतिभा, विचारों और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए वैश्विक मंच प्रदान करता है।
- **शैक्षणिक और सूचनात्मक लाभ–** सोशल मीडिया शैक्षिक ज्ञान प्राप्त करने व उस ज्ञान को साझा करने तथा कौशल विकास से संबंधित नई चीजें सीखने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बन गया है।
- **सम्पर्क और सम्बन्ध–** फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया मंच किशोर, युवा और वयस्कों का मनोरंजन करने व सामान रुचियों वाले लोगों से जुड़ने और सामाजिक आंदोलनों में भाग लेने में मदद करता है।
- **जागरूकता–** छात्र सामाजिक जागरुकता और दयालुता फैलाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं।
- **नौकरी के अवसर–** वास्तव में कई संगठनों ने फेसबुक पर अपने स्वयं के पेज बनाकर वेबसाइट के साथ लिंक्डइन, फेसबुक और ट्विटर पर कंपनियां अपने संगठन में उपलब्ध व्यक्तियों के लिए उपयुक्त उम्मीदवार ढूंढती हैं।

मीडिया के सकारात्मक पक्ष की बात करें तो ज्ञात होता हैं कि सेहत, शिक्षा, रोजगार, बाजार– व्यापार और खेती व कृषि से संबंधित कार्यों, सुगम यात्रा, कानून की जानकारी अनेक समस्याओं के कारण और निदान, आंधी–तूफान, बाढ़, बारिश और पूरी दुनिया के एक–एक पल की स्थिति की जानकारी सोशल मीडिया के द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। स्वास्थ्य के लिए लाभदायक देसी विदेशी घरेलू नुस्खे, घातक बीमारियो का उपचार और गुमशुदा की खोज, वर वधू तलाश से लेकर भविष्य और वास्तुशास्त्र से जुड़ी जानकारी सोशल मीडिया के द्वारा बहुत ही कम समय में जितनी आसानी से आज प्राप्त हो रही है, वैसी आज तक कभी प्राप्त नहीं हुई। यदि हम सोशल मीडिया का सही तरह से उपयोग करें तो अनेक लाभ घर बैठे ही प्राप्त कर सकते हैं।

नकारात्मक पहलू

- **मानसिक स्वास्थ्य पर असर–** सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से एंजायटी अवसाद, साइबर बुलिंग और एकाकीपन जैसी समस्याएं बढ़ रही है। सोशल मीडिया के प्रमुख नकारात्मक प्रभावों के बीच साइबर बुलिंग सबसे खतरनाक है। लंबे समय तक साइबर बदमाशी के शिकार लोग अक्सर डिप्रेशन, अकेलापन, तनाव और चिंता में रहते हैं।
- **बदलते सामाजिक संबंध–** आभासी दुनिया में अधिक समय बिताने से युवाओं के वास्तविक सामाजिक कौशल और परिवार के साथ संबंध कमजोर हो रहे हैं।
- **फेक न्यूज़ और पहचान का संकट–** गलत सूचनाओं का प्रसार और ऑनलाइन छवि बनाए रखने का दबाव युवाओं के व्यवहार और आत्मसम्मान को प्रभावित करता है।
- **नैतिकता का पतन–** सोशल मीडिया के माध्यम से अश्लील साहित्य, खुला सेक्स, अनजान लोगों के साथ दोस्ती का सबसे बड़ा प्रभाव युवाओं के मन और शरीर पर देखने को मिल रहा है। ऑनलाइन धोखाधड़ी, हिंसा, ठगी,

भ्रष्टाचार के नए चेहरे भी आए इसने नई पीढ़ी को बहुत संकुचित और स्वार्थी बना दिया है। इसके साथ ही इसमें नशीली दवाओं व अवैध हथियारों की सौदागरी, माफिया–ऑपरेशंस, देह व्यापार, जुआ जालसाजी और इत्यादि अपराध हो रहे हैं।

- **समय की बर्बादी–** सोशल नेटवर्किंग साइट की वजह से लोग अपना समय बर्बाद करते हैं। सोशल मीडिया का बहुत ज्यादा उपयोग करने वाले किशोर दैनिक गतिविधियों पर पर्याप्त समय नहीं बिताते हैं जो निश्चित रूप से मानसिक क्षमताओं, कौशल व शारीरिक क्षमताओं को बढ़ाते हैं।

सोशल मीडिया के नकारात्मक पहलू की बात करें तो ज्ञात होता है कि युवाओं को सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट का नशा सा हो गया है सोशल वेबसाइट पर दिन में कई बार स्टेटस अपडेट करना, घंटों तक मित्रों के साथ चौटिंग करना जैसी आदतों ने युवा पीढ़ी को काफी हद तक प्रभावित किया है व्हाट्सएप, फेसबुक या ट्विटर जैसी वेबसाइट पर घंटों तक अपना कीमती समय समय बिताने से न केवल शैक्षणिक प्रदर्शन में गिरावट होने से उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है बल्कि धीरे–धीरे कुछ नया करने की रचनात्मकता भी खत्म हो रही है। यहां तक की सड़क दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट के माध्यम से अश्लील सामग्री व भड़काने वाली पोस्ट लोगों तक प्रसारित की जा रही है जोकि लोगों के मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव डालते हैं और उसकी वजह से देश में दंगा फसाद में वृद्धि हुई। सोशल मीडिया में जानकारी प्रेषित करते समय नैतिक सामाजिक सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों को ध्यान में रखकर किसी जानकारी को साझा करना चाहिए जिससे किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे।

डेटा विश्लेषण : तालिकाओं के माध्यम से सूचनाओं को सारणीकरण करके उसे स्पष्ट रूप से समझाने का प्रयास किया गया है।

तालिका संख्या.1

आयु के आधार पर उत्तरदाताओं का वर्गीकरण

क्रम संख्या	आयु वर्ग	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1	18 से कम	06	12%
2	18–25	30	60%
3	26–30	14	28%
	योग	**50**	**100%**

व्याख्याः उपरोक्त तालिका से अनुमान लगाया गया है कि 60% उत्तरदाता 18 से 25 आयु वर्ग के हैं 28% और 12% उत्तरदाता क्रमशः 26–30 और 18 से कम आयु वर्ग के हैं।

तालिका संख्या.2

सोशल मीडिया के उपयोग से सम्बंधित उपकरण के आधार पर वर्गीकरण

क्रम संख्या	सोशल मीडिया के उपकरण	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1	व्हाट्सएप	13	26%
2	फेसबुक	10	20%
3	इंस्टाग्राम	12	24%
4	ट्विटर	08	16%
5	अन्य	07	14%
	योग	**50**	**100%**

व्याख्याः उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 26% उत्तरदाता व्हाट्सएप का उपयोग करते हैं, 20% उत्तरदाता प्रत्येक फेसबुक, 24% इंस्टाग्राम, 16% प्रतिशत उत्तरदाता ट्विटर का उपयोग करते हैं और 14% उत्तरदाता अन्य प्रकार के सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं।

तालिका संख्या.3

सोशल मीडिया पर व्यय किए गए घंटों की संख्या के आधार पर वर्गीकरण

क्रम संख्या	घंटों की संख्या	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1	1–2 घंटे	15	30%
2	3–4 घंटे	17	34%
3	4 घंटे से अधिक	18	36%
	योग	**50**	**100%**

उपरोक्त तालिका से यह अनुमान लगाया गया कि 30% उत्तरदाता सोशल मीडिया पर दिन में 1 से 2 घंटे बिताते हैं, 34% उत्तरदाता दिन में 3–4 घंटे खर्च करते हैं, 36% उत्तरदाता सोशल मीडिया पर दिन में 4 घंटे से अधिक समय खर्च करते हैं।

तालिका संख्या.4

सोशल मीडिया का उपयोग करने के उद्देश्य के आधार पर वर्गीकरण

क्रम संख्या	सोशल मीडिया का उपयोग के उद्देश्य के आधार पर वर्गीकरण	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1	समाचार व नई जानकारी के	12	24%

	साथ अवगत रहने के लिए		
2	अपनापन महसूस करना	06	12%
3	संचार करने के लिए	10	20%
4	पोस्ट साझा करने के लिए	09	18%
5	सामाजिक जागरूकता	08	16%
6	अन्य (ऑनलाइन खरीदारी)	05	10%
	योग	**50**	**100%**

व्याख्या : उपरोक्त तालिका से यह अनुमान लगाया गया है कि 24% उत्तरदाताओं ने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग करने का उनका उद्देश्य समाचार व नई जानकारी के साथ अपडेट रखना है, 12% उत्तरदाताओं को अपनेपन की भावना महसूस होती है 20% उत्तरदाताओं ने मुख्य रूप से संचार करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग किया और 18% उत्तरदाताओं ने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग करने का उनका उद्देश्य पोस्ट साझा करना तथा 16% उत्तरदाताओं का उद्देश्य सामाजिक जागरूकता है जबकि 10% उत्तरदाताओं ने अन्य ऑनलाइन कार्यों में अपनी सहभागिता बताई।

तालिका संख्या.5

सोशल मीडिया उपयोग करने के व्यक्तिगत लाभ और सकारात्मक प्रभाव का वर्गीकरण

क्रम संख्या	सोशल मीडिया के व्यक्तिगत लाभ और सकारात्मक प्रभाव	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1	सीखने का सकारात्मक प्रभाव	07	14%
2	दोस्तों से जुड़े रहना	13	26%
3	मनोरंजन और मौज मस्ती	10	20%
4	डिजिटल प्रतिष्ठा	05	10%
5	नौकरी के अवसरों की तलाश	11	22%
6	अन्य	04	08%
	योग	**50**	**100%**

व्याख्या उपरोक्त तालिका इंगित करती है कि 14% उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके पास सोशल मीडिया से सीखने के सकारात्मक प्रभाव हैं और अन्य 26% उत्तरदाताओं को सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्तों से जुड़े रहने का लाभ मिला 20% उत्तरदाताओं को मनोरंजन और मस्ती जैसे लाभ मिलते हैं 10% उत्तरदाता को डिजिटल प्रतिष्ठा से लाभ होता है

22% उत्तरदाताओं को नौकरी के अवसरों की तलाश जैसे लाभ मिलते हैं 08% अन्य कार्यों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं।

तालिका संख्या.6

सोशल मीडिया उपयोग करने के नकारात्मक प्रभाव का वर्गीकरण

क्रम संख्या	नकारात्मक प्रभाव	उत्तरदाताओं कीसंख्या	प्रतिशत
1	साइबर चोरी	18	36%
2	स्वास्थ्य समस्या	13	26%
3	समय की बर्बादी	11	22%
4	सोशल मीडिया का दुरुपयोग व अन्य संबंधित मुद्दे	05	10%
5	अन्य	03	06
	योग	**50**	**100%**

व्याख्या उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 36% उत्तरदाताओं ने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग करने से साइबर चोरी को बढ़ावा मिलता है 26% उत्तरदाताओं ने कहा कि यह स्वास्थ्य समस्या का कारण बनता है और अन्य 22% उत्तरदाताओं ने कहा कि यह समय की बर्बादी होती है तथा 10% उत्तरदाताओं ने दुरुपयोग व संबंधित मुद्दों का सामना करना पड़ता है 6% को अन्य कारण लगे।

तालिका संख्या.7

सोशल मीडिया द्वारा अनजान लोगों के अनुरोधों को स्वीकार करने के आधार पर वर्गीकरण

क्रम संख्या	अनजान लोगों के अनुरोधों को स्वीकार करना	उत्तरदातओं की संख्या	प्रतिशत
1	नहीं	20	40%
2	करते हैं	16	32%
3	कभी करते हैं, कभी नहीं करते।	14	28%
	योग	50	100%

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 40% उत्तरदाताओं ने कहा कि वह अजनबियों के अनुरोध को स्वीकार करते हैं, 32% उत्तरदाताओं ने अजनबियों के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया 28% उत्तरदाताओं ने कहा कि वे अजनबी के अनुरोध को कभी स्वीकार करते हैं या कभी नहीं भी करते हैं

सुझाव

किशोरावस्था को व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक और यूट्यूब में अनौपचारिक चैट और पोस्ट पर अपना कीमती समय बर्बाद करने के बजाय बेहतर सोशल नेटवर्किंग के लिए सोशल मीडिया पर बुद्धिमानी से अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए। बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों और माता–पिता को यह देखना चाहिए कि वह वास्तव में सोशल मीडिया का इस्तेमाल किसलिए कर रहे हैं। अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया का हमारे युवाओं पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ता है। युवाओं को सोशल मीडिया का उपयोग करने के उद्देश्य पर स्पष्ट होना चाहिए कि वह कितने घंटे तक ऑनलाइन है और क्या यह उनके व्यक्तिगत और सामाजिक नेटवर्किंग उद्देश्य के लिए फायदेमंद हैं। सोशल मीडिया मंचों को कुछ ऐसी सामग्री की अनुशंसा करने या उसका प्रचार प्रसार करने से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए जो हिंसक हो।

निष्कर्ष

उपयुक्त विवेचना से स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया ने युवाओं को विभिन्न प्रकार से प्रभावित कर एक नया जीवन यापन करने की संस्कृति विकसित की है वहीं अनेक प्रकार के विकारों को जन्म भी दिया है। सोशल मीडिया द्वारा आजकल दुनिया को देखने का हमारे दृष्टिकोण बदल रहा है चाहे वह संचार से संबंधित हो या सामाजिक संपर्क से। इसने युवा पीढ़ी को सकारात्मक व नकारात्मक दोनों तरह से प्रभावित किया है यदि सोशल मीडिया के नकारात्मक पक्ष को हम अनदेखा करते रहे तो इसके घातक नकारात्मक परिणाम से हम बच नहीं सकते इसलिए सोशल मीडिया के अच्छे बुरे इस्तेमाल पर जरूर गौर करना चाहिए। मानव मूल्यों के खत्म होने और इंसान का वस्तु या तंत्र के रूप में परिवर्तन होने का खतरा स्पष्ट रूप में दिखाई दे रहा है। एक संतुलित जीवन, परिवार, समाज, संस्कृति और देश के लिए सोशल मीडिया के दोनों पक्षों पर हमें ध्यानपूर्वक विचार करना चाहिए यदि कानून बना बनाना पड़े तो भी कानून बनाकर गिरते जीवन मूल्यों को रोकने की कोशिश करनी होगी।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- अभय, सिंह (2017) युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव, समाजशास्त्र राजकीय महाविद्यालय गुढ़ा (झुंझुनू) IJRAR19D4411, dec 2017 volume, 4 issue 4, www-ijrar-org (E&ISSN 2348&1269, P- ISSN 249-5138) page number 794.

- शर्मा ओम प्रकाश (2020) सोशल मीडिया का बढ़ता उपयोग युवा पीढ़ी के लिए अवसर एवं चुनौतियां के विशेष संदर्भ में समाजशास्त्र विभाग, शहीद कैप्टन रिपुदमन सिंह राजकीय महाविद्यालय सवाई, माधोपुर (राजस्थान), IJAER@july&August] 2020@ volume-9/issue-4 issn: 2278 9677 international journal of arts and education research] page number 191.

- नरूका, संतोष (2018) सोशल मीडिया का युवाओं पर प्रभाव, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं नागौर, IJCRT volume 6] ISSUE 1 January] issn :2230&2882] page number 291, 296.

- मीणा, रामकल्याण (2023) सोशल मीडिया का युवाओ पर प्रभाव, राजनीति विज्ञान राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झालावाड़ राजस्थान 326001, international journal of humanity and social science invention (IJHSSI), ISSN: online 2319-7722, ISSN (print) 2319-7714, volume 12 issue 3 march 2023, page number 107.

- देवी, प्रतिभा, और लोहिया, मनोहर (2023) युवाओं पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर एक अध्ययन, अवध विश्वविद्यालय अयोध्या उत्तर प्रदेश भारत, ISSN: 2395&7476, IJHS 2023;9(3):197-201. www.homesciencejournal.com. International journal of Home science- Page no 197-198

- कुमार, दीपक और प्रधान, पारिजात (2023) सोशल मीडिया का युवाओं पर प्रभाव, समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, ISSN: 0975&735X, शोथ दिशा विश्व स्तरीय शोध पत्रिका केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा यूजीसी अप्रूव्ड केयर लिस्टेड जर्नल, हिंदी साहित्य निकेतन, 16 साहित्य बिहार, बिजनौर उत्तर प्रदेश। पृष्ठ संख्या 41